Dr. Nand Kr. Arya Sociology (1)

प्र :— असंभाव्यता प्रतिचयन किसे कहते हैं? इसके गुणों एवं सीमाओं की विवेचना करें।

What is non-probability sampling? Discuss its merits and demerits.

Ans :—

असंभाविता प्रतिचयन (Non-Probability Sampling) —→

असंभाविता प्रतिचयन वह प्रतिचयन है, जिसमें इकाइयों का चयन संभाव्यता सिद्धान्त के आधार पर नहीं किया जाता है, बल्कि शोधार्थी अपनी सुविधा के आधार पर प्रतिदर्श का चयन करते हैं। अर्थात् असंभाविता प्रतिदर्शन परियोजना में जीवसंख्या (Population) के सदस्यों को प्रतिदर्श में सम्मिलित किये जाने की संभावना ज्ञात नहीं होती है। इसके अलावे असंभाविता प्रतिचयन में शोधार्थी जीवसंख्या की स्पष्ट पहचान की चिन्ता नहीं करते हैं और उसे अपनी आवश्यकतानुसार एवं इच्छानुसार कुछ सदस्यों का चुनाव कर प्रतिदर्श में शामिल कर लेते हैं। रेबर (Reber, 1984) महोदय द्वारा इसे परिभाषित करते हुए कहा गया है कि " असंभाव्यता प्रतिचयन वह प्रतिचयन है जिसमें प्रत्येक घटना या तत्व के चयन करने की संभाव्यता ज्ञात नहीं होती है।" (Non-probability sampling is that sampling in which the probability of each event or element being drawn is not known).

इसे प्रस्तुत उदाहरण से और अधिक स्पष्ट किया जा सकता है। माना कि शोधार्थी को वर्तमान सरकार के प्रति लोगों के विचारों

जानना या भापना है। इसके लिए मोबाइल धारकों के मोबाइल पर मैसेज कई विकल्पों के साथ भेजकर वर्तमान सरकार के प्रति उनके विचार आमंत्रित करते हैं। इसके पश्चात प्राप्त उत्तरों का विश्लेषण करते हैं और निष्कर्ष प्राप्त करते हैं। यह पूर्णत: असंभाव्यता प्रतिचयन है क्योंकि यह संभाव्यता सिद्धान्त पर आधारित नहीं है, बल्कि शोधार्थी के सुविधानुसार अपना खुद का निर्णय है।

असंभाव्यता प्रतिचयन की कुछ विशेषताएँ हैं –

(i) असंभाव्यता प्रतिचयन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसका आधार संभाव्यता सिद्धान्त नहीं होता है, बल्कि शोधार्थी का स्वयं का निर्णय होता है।

(ii) असंभाव्यता प्रतिचयन में शोधार्थी को पूरी स्वतंत्रता होती है कि वह अपने निर्णय या अपनी सुविधा के अनुसार इकाइयों का चयन करके प्रतिदर्श का निर्माण कर सकते हैं। यह सुविधा संभाव्यता प्रतिदर्शन में नहीं है।

(iii) महान शोध वीर मनोविज्ञानी करलिंगर (Kerlinger, 1978) महोदय के मतानुसार इस प्रतिचयन की प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें यादृच्छिकरण (Randomization) नहीं होता है। इन्होंने और स्पष्ट करते हुए कहा है कि असंभाव्यता प्रतिदर्शन में यादृच्छिकरण का व्यवहार नहीं किया जाता है, जबकि संभाव्यता प्रतिचयन में यादृच्छिकरण का प्रयोग आवश्यक होता है।

कोलमैन (Coleman, 1958) और सेलटिज एवं सहयोगियों (Selltiz et al 1959) के अनुसार असंभाविता प्रतिदर्शन को निम्नांकित प्रमुख भागों में बाँटा गया है

(i) कोटा प्रतिदर्श (Quota Sample)

(2) प्रासंगिक प्रतिदर्श (Accidental Sampling)
(3) उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्श (Purposive Sampling)
(4) क्रमबद्ध प्रतिदर्श (Systematic Sample)
(5) हिमकंदुक प्रतिदर्श (Snowball Sampling)
(6) संतृप्त प्रतिदर्श (Saturation Sample)
(7) घनीभूत प्रतिदर्श (Dense Sampling)

असंभाव्यता प्रतिदर्शन के गुण (Merits of non-probability Sampling) —

(1) सरलता (Simplicity) —
असंभाव्यता प्रतिदर्शन में सहजता का गुण पाया जाता है। इसमें शोधार्थी इकाइयों के चयन में स्वतंत्र होते हैं। फलतः शोधार्थी द्वारा अपने निर्णय या अपनी सुविधानुसार अत्यन्त आसानी से प्रतिदर्श का निर्माण कर लिया जाता है। यह सुविधा संभाव्यता प्रतिचयन में नहीं है।

(2) पायलट अध्ययन के लिए उपयुक्त (Appropriate for pilot study) —
~~वास्तव में~~ असंभाव्यता प्रतिचयन वास्तव में पायलट अध्ययन के लिए अधिक उपयुक्त है। इस तरह के अध्ययन से प्राप्त संकेतों के आलोक में मुख्य अध्ययन करने में अत्याधिक सुविधा प्राप्त होती है।

(3) अस्पष्ट जनसंख्या के लिए उपयुक्त (Appropriate for ambiguous population) —
जब जनसंख्या वितरण का स्वरूप स्पष्ट नहीं हो तो ऐसी स्थिति में संभाव्यता प्रतिचयन की अपेक्षा असंभाव्यता प्रतिचयन का उपयोग अधिक अनुकूल तथा उपयुक्त होता है।

(4) समय तथा श्रम की बचत (Time and labour Saving) —
इस प्रतिदर्शन के आधार पर प्रतिदर्श के चयन